**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1345**

**11 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

## जूट आयात

**1345. श्री राव राजेन्द्र सिंहः**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार के पास इस संबंध में कोई आंकड़े हैं कि विगत तीन वर्षों के दौरान देश द्वारा कितना जूट का आयात किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों द्वारा उक्त फसल के स्वदेशी उत्पादन के संबंध में कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या बांग्लादेश संकट ने देश से भारत में जूट के आयात को प्रभावित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से फसल उत्पादन में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वस्त्र राज्य मंत्री**

**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क):** वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पटसन के आयात के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

मात्रा (000' मीट्रिक टन)

| वर्ष | कच्ची पटसन और पटसन उत्पाद |
|---|---|
| 2021-22 | 190.1 |
| 2022-23 | 322.3 |
| 2023-24 | 328.1 |

**(ख):** पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों में पटसन उत्पादन के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

**उत्पादन ('000 मीट्रिक टन में)**

| क्र.सं. | राज्य | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | आंध्र प्रदेश | 2.0 | 2.0 | 1.4 |
| 2 | असम | 137.1 | 127.7 | 121.2 |
| 3 | बिहार | 153.4 | 139.1 | 177.4 |
| 4 | छत्तीसगढ | 0.2 | 0.1 | 0.1 |
| 5 | मेघालय | 17.1 | 9.9 | 9.9 |
| 6 | नागालैंड | 0.2 | 7.5 | 7.7 |
| 7 | ओडिशा | 12.1 | 9.2 | 10.5 |
| 8 | त्रिपुरा | 1.2 | 0.5 | 0.4 |
| 9 | पश्चिम बंगाल | 1503.6 | 1394.5 | 1415.8 |
|  | अखिल भारत | 1826.8 | 1690.5 | 1744.6 |

**स्रोत: पटसन विकास निदेशालय, कोलकाता**

**(ग):** अप्रैल-अक्टूबर, 2023 के दौरान, भारत में कच्ची पटसन और पटसन उत्पादों का आयात, वर्ष 2024 की इसी अवधि के दौरान 1,74,710 मीट्रिक टन के आयात की तुलना में, 2,09,342 मीट्रिक टन था।

**(घ):** सरकार राष्ट्रीय पटसन बोर्ड के माध्यम से कच्ची पटसन के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार के लिए उन्नत खेती और उन्नत रेटिंग अभ्यास (पटसन-आईकेयर) कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है। पटसन-आईकेयर कार्यक्रम के तहत प्रमाणित बीजों, सीड ड्रिलर, नेल वीडर, रेटिंग पाउडर की आपूर्ति और आधुनिक उपकरणों के उपयोग और रेटिंग अभ्यास आदि के माध्यम से वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाई जाती हैं। अब तक, 9 पटसन उत्पादक राज्यों के 289 ब्लॉकों में 4,89,220 पटसन किसानों की 2,08,042 हेक्टेयर भूमि को इस कार्यक्रम के तहत कवर किया गया है।

****